''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में प्रदेश की क्षमता प्रदर्शित होगी

■ एक्सपो में राजस्थान और देश भर से 100 से अधिक कंपनियां और व्यापारिक समूह भाग लेंगे, राजस्थान, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप और चुनिंदा देशों के होंगे विशेष पैवेलियन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित हो रहे 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में राजस्थान ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो का भी आयोजन किया जाएगा और इसमें राजस्थान और देश भर से 100 से अधिक कंपनियां और व्यापारिक समूह भाग लेंगे। इस ग्लोबल एक्सपो में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में राज्य की क्षमता प्रदर्शित की जाएगी और देश के औद्योगिक परिदृश्य में राजस्थान की अहम भूमिका को दिखाया जाएगा। इस एक्सपो में कई पैवेलियन भी लगाए जाएंगे, जिनमें प्रमुख रूप से राजस्थान का स्टेट-ऑफ-दी-आर्ट पैवेलियन और कुछ चुनिंदा देशों, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों के लिए लगाए जाने वाले पैवेलियन होगा।

राजस्थान के स्टेट-ऑफ-दी-आर्ट पैवेलियन में राज्य के बारे में विशिष्ट जानकारियां दी जाएंगी। इसके तहत राज्य की अर्थव्यवस्था, समृद्ध विरासत, सांस्कृतिक धरोहरों, प्रमुख और नये या उभरते हुए व्यवसायिक क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, इसमें मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और पहलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा और ग्रामीण परिदृश्य को बेहतर बनाने और शहरी सुविधाओं को पुनर्जीवित करने में उनके प्रभाव के बारे में बताया जाएगा। इसके अलावा, इसमें उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, स्मार्ट सार्वजनिक वितरण और विभिन्न ई-गवर्नेंस पहलों को भी इंटरैक्टिव पैनलों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके अलावा, स्टार्ट-अप पैवेलियन में राज्य में मौजूद स्टार्ट-अप्स को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें राज्य की प्रमुख महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप्स भी शामिल हैं। इसी तरह, महिला उद्यमियों के पैवेलियन में महिलाओं के नेतृत्व में सफल व्यवसायों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिन्होंने सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों और पहलों के तहत बड़ी ऊंचाइयों को हासिल किया है। इस पैवेलियन के जरिए ये महिला उद्यमी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में भाग लेने वाले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के सामने अपने व्यवसायों की जानकारी दे सकेंगी ताकि उनकी उद्यमशीलता दिखे और सराही जाए।

इसके बारे में बताते हुए राजस्थान सरकार के रीको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह ने कहा, राजस्थान ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो उद्यिमता की राजस्थानी भावना और पारंपरिक क्षमताओं के संग-संग राजस्थान को एक आधुनिक औद्योगिक शक्ति के रूप में प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर है।

10,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैली इस प्रदर्शनी (एक्सपो) में राजस्थान में व्यावसायिक उपस्थिति या रुचि रखने वाले कई भारतीय और विदेशी व्यापार समूह शामिल होंगे। एक्सपो में अपने पैवेलियन लगाने वाले उल्लेखनीय भारतीय व्यापार समूहों में असाही इंडिया ग्लास, जिसने हाल ही में चित्तौड़गढ़ में एक प्रमुख फ्लोट ग्लास प्लांट स्थापित किया है, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, जेसीबी, टाटा पावर, टोरेंट ग्रुप, महिंद्रा सिटी, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, जेके सीमेंट, जेके टायर वगैरह शामिल हैं।

इसके अलावा, इस ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो में डेनमार्क और जापान सहित कुछ चुनिंदा देश भी अपने देश के बारे में पैवेलियन लगाएंगे और आने वाले दिनों में इसमें कई और देश भी जुड़ सकते हैं। साथ ही, बड़ी संख्या में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम भी इस एक्सपो में अपना पैवेलियन लगा रहे हैं और इनमें एचपीसीएल, गेल जैसी केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां और राजस्थान सरकार के स्वामित्व वाली अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के वक्ताओं की पहली सूची की घोषणा

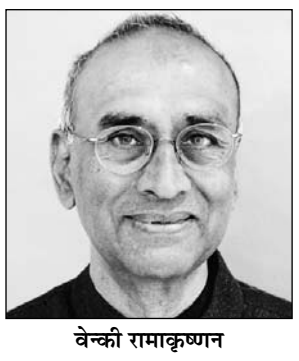
वेन्की रामाकृष्णन

अन्ना फंडर

टीना ब्राऊन

जयपुर। भारत के जाने-माने फेस्टिवल क्यूरेटर एवं प्रोडक्शन हाउस टीमवर्क आर्ट्स ने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के बहुप्रतीक्षित 18वें एडिशन के वक्ताओं की पहली सूची जारी कर दी है। साहित्य की दुनिया के इस प्रतिष्ठित समारोह का आयोजन आगामी 30 जनवरी से 3 फरवरी के दौरान, जयपुर स्थित होटल क्लार्क्स आमेर में किया जाएगा। दुनियाभर में 'धरती पर आयोजित होने वाले सबसे बड़े साहित्योत्सव' के तौर पर प्रतिष्ठित इस फेस्टिवल के मंच पर एक बार फिर लेखकों, विचारकों और पाठकों की महफिलें जुटेंगी जो साहित्य के हालातों और विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के साथ जुड़ाव कायम करने की इसकी अनूठी क्षमता के बारे में मिल-जुलकर विचार-मंथन करेंगे।

दुनियाभर में पुस्तकों और विचारों के इस सबसे बड़े उत्सव के 2025 एडिशन के जरिए एक बार फिर दूरियों को घटाने, सहानुभूति जगाने और हमारे साझा मानवीय अनुभवों का उत्सव मनाने के लिए कहानियों की ताकत को दोहराया जाएगा। पर्यावरण अनुकूल व्यवहार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के चलते, 2025 के संस्करण में पर्यावरण के प्रति सजगता पर प्रमुखता से जोर रहेगा। उत्सव के दौरान वाद-विवाद, चर्चाएं और अभूतपूर्व प्रस्तुतियों का दौर जारी रहेगा। 2025 एडिशन में सांस्कृतिक समृद्धियों, दिग्गज साहित्यिक कृतियों और पर्यावरण अनुकूल भविष्य पर जोर दिया जाएगा, जो कुल-मिलाकर इस फेस्टिवल को अभूतपूर्व बनाएगा।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के मूल में भाषायी विविधता है, और यही वजह है कि साहित्य का यह मेला विभिन्न भाषाओं को मंच प्रदान करता है। इस साल के सत्रों में हिंदी, बांग्ला, राजस्थानी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, ओड़िया, संस्कृति, असमी, मलयालम, मराठी, पंजाबी और उर्दू समेत अनेक भाषाओं में कृतियों और चर्चाओं को परोसा जाएगा और इस प्रकार यह मेला समावेशिता के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचायक होगा।

18वें एडिशन में अलग-अलग क्षेत्रों के 300 से अधिक वक्ताओं को शामिल किया गया है, जो प्रतिभागियों को वैश्विक एवं भारतीय साहित्यिक हस्तियों से जुड़ने का मौका देगा। वक्ताओं की पहली सूची में शामिल हैं आंद्रे एचिमन, अनिरुद्ध कनिसेट्टी, अन्ना फंडर, अश्वनी कुमार, कावेरी माधवन, क्लॉडिया डी राम, डेविड निकॉल्स, फियोना कारनारवन, इरा मुखौटी, आइरेनोसेन ओकोजी, जेनी एरपनबेक, जॉन वैलेंट, कलोल भट्टाचार्जी, मैत्री विक्रमसिंघे, मानव कौल, मिरियम मार्गोलिस, नसीम निकोलस तालेब, नाथन थ्राल, प्रयाग अकबर, प्रियंका मट्टू, स्टीफन ग्रीनब्लाट, टीना ब्राउन, वी वी गणेशनंदन, वेंकी रामाकृष्णन, और यरोस्लावा त्रोफिमोफ सरीखी साहित्यिक दुनिया की प्रतिभाएं जो उत्सव के दौरान विचारों से भरे साहित्यिक चर्चाओं का भरोसा दिलाती हैं।

जानी मानी लेखक और फेस्टिवल की सह-निदेशक नमिता गोखले का कहना है कि जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल हमेशा से ही कहानियों, नए विचारों और संस्कृतियों का संगम रहा है। अब जबकि हम 18वें एडिशन की तैयारी में जुटे हैं, तो हम वास्तव में, प्रेरित करने, चुनौती देने और एकजुट करने की साहित्य की ताकत का जश्न मना रहे हैं। इस साल, हम लेखकों, कवियों और विचारकों की ऐसी अविश्वसनीय पंक्तियों का स्वागत करने जा रहे हैं जो दर्शकों के साथ कभी न भुलाए जा सकने वाले संवाद-सत्रों का नेतृत्व करेंगे।

विनम्र रहे, निष्पक्षता से कार्य करें : देवनानी

■ राजस्थान प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों की विधानसभाध्यक्ष से मुलाकात

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा है कि विनम्र रहकर निष्पक्षता से कार्य करें। ईमानदारी से सोच-समझकर कर निर्णय लें ताकि किसी के प्रति अन्याय न हो। युवा संकल्प लेंगे तो राष्ट्र विश्व पटल पर अवश्य अग्रणी रहेगा। युवा राष्ट्र के भविष्य की आशा की किरण है। देवनानी से बुधवार को यहां राजस्थान विधान सभा में राजस्थान प्रशासनिक सेवा में नव चयनित 75 प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

देवनानी ने कहा कि युवा राष्ट्र का भविष्य है। बहुत मेहनत के बाद राज्य सेवा में चयन होता है। राज्य सेवा प्रतिष्ठित सेवा है। राज्य सेवा के कार्यों को दूरदर्शिता के साथ करें। उन्होंने कहा कि उद्देश्यपूर्ण जीवन से ही हम स्वयं के जीवन, परिवार, समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे सकते है। युवाओं के जीवन का उद्देश्य राष्ट्र के उद्देश्य के अनुरूप ही होना चाहिए। कर्तव्यों को सक्रियता से निभाएं।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय में नव-निर्मित संविधान दीर्घा का अवलोकन किया। इस मौके पर राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वित्तीय सलाहकार अपूर्व जोशी और उप सचिव संजीव कुमार शर्मा ने अधिकारियों को राजस्थान विधानसभा की गतिविधियों के बारे में बताया। इस मौके पर हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के डॉ. गुल फिरदोस और विनोद कुमारी भी मौजूद थी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को विधानसभा में नन्हीं मुस्कान पोस्टर का विमोचन किया। देवनानी को डॉ. उमेश दत्त ने नन्हीं मुस्कान कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि दौसा में एक दिसम्बर को शहर के बच्चों का फ्री चैकअप किया जायेगा। देवनानी ने चिकित्सकों से कहा कि सशक्त राष्ट्र के लिए बच्चों का स्वस्थ होना आवश्यक है। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए निरन्तर कार्य करें। इस मौके पर विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के शर्मा, डॉ. उमेश दत्त शर्मा, डॉ. पंकज जुत्थी और डॉ. पियूष त्रिवेदी मौजूद थे।

'पशुपालकों के लिए कारगर साबित हो रही है राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना'

■ राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के तारांकित सवाल के जवाब में पशुपालन एंव डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने जवाब में दी जानकारी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देशभर के पशुपालकों की आय बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के उद्देश्य से शुरू की कई राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना कारगर साबित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान पशुपालन विभाग की ओर से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि पिछले 10 वर्षों में दूध उत्पादन में 63.56 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वर्ष 2014-15 में जहां 146.3 मिलियन मीट्रिक टन दूध उत्पादन किया जा रहा था, वो वर्ष 2023-24 में 239.3 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया। वहीं देशभर में पशुओं की देशी नस्ल सुधार के लिए आईवीएफ तकनीक का इस्तेमाल करते हुए 32 बछडे और बछडियों को जन्म दिया गया।

राठौड़ ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के लक्ष्य प्राप्ति और देशभर में इस योजना से लाभान्वित किसानों को लेकर राज्यसभा में तारांकित सवाल लगाया। इसके जवाब में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह जवाब दिया कि योजना से देशभर में 4 करोड़ 58 लाख 14 हजार 284 किसान लाभान्वित हुए है। इसमें राजस्थान के 32 लाख 47 हजार 550 किसान राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के माध्यम से लाभान्वित हुए। इतना ही नहीं, देशभर में पशुओं की नस्ल सुधार के लिए 38 हजार से अधिक मैत्रियों को लगाया गया। इसमें राजस्थान में 771 मैत्री कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन के तौर पर कार्य कर रहे है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत देशी नस्लों के सुधार की दिशा में भी सराहनीय कार्य किया गया है। इसमें राजस्थान की साहीवाल, थारपारकर और राठी नस्ल के पशुओं की संतति परीक्षण और नस्ल चयन कार्यक्रम शुरू किया गया। वहीं राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के दौरान पिछले तीन सालों में राजस्थान के 32.47 लाख किसान लाभान्वित हुए और 55.99 लाख पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान किया गया। इतना ही नहीं, राजस्थान में देशी पशुओं की नस्ल सुधार के लिए 7 नस्ल वृद्धि फार्म स्थापित किए जाएगे। इसके लिए केंद्री की ओर से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। वहीं दूसरी ओर 70 व्यक्तियों को सामुदायिक संसाधन व्यक्ति ए-हेल्प का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है।

जयपुर मिलिट्री स्टेशन में 1489 स्मार्ट मीटर लगाए

जयपुर । मेजर जनरल आरएस गोदारा जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 61 सब एरिया ने जयपुर मिलिट्री स्टेशन में 27 नवंबर को मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज़ (एमईएस) द्वारा स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की परियोजना का उद्घाटन किया। भारत सरकार के स्मार्ट मीटर राष्ट्रीय कार्यक्रम की पहल में योगदान करते हुए, डिजिटल इंडिया की दिशा में आगे बढ़ते हुए जयपुर मिलिट्री स्टेशन में 1489 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए। भारत सरकार का लक्ष्य स्मार्ट मीटर नेशनल प्रोग्राम के तहत 25 करोड़ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मीटर लगाना है।

कल्चरल डायरीज : गायन, वादन व नृत्य का साक्षी बनेगा जयपुर

■ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल पर शुरू की गई कल्चरल डायरीज के तहत दो दिवसीय सांस्कृतिक संध्या 29-30 नवम्बर को अल्बर्ट हॉल पर होगी आयोजित

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अभिनव पहल व दिशा-निर्देशों के तहत पर्यटन विभाग द्वारा शुरू की गई सांस्कृतिक संध्या कल्चरल डायरीज शृंखला के तहत आगामी शुक्रवार व शनिवार 29 व 30 नवम्बर को अल्बर्ट हॉल पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। इन प्रस्तुतियों के दौरान जयपुरवासियों सहित विदेशी व देसी पर्यटकों को गायन, वादन व नृत्य का शानदार संगम देखने को मिलेगा।

29 नवम्बर को अल्बर्ट हॉल पर किशनगढ़ के कलाकारों द्वारा चरी व घूमर नृत्यों के साथ ही अलवर के कलाकारों द्वारा भपंग वादन की प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी साथ ही खातु सपेरा विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेगा। उनके समूह का कालबेलिया नृत्य जिसमें तीन पीढियां एक साथ नृत्य की प्रस्तुति देंगी। शनिवार 30 नवम्बर को जयपुर के इंडी फोक ग्रुप युग्म बैंड की प्रस्तुति के साथ लोक वाद्य यंत्र रावण हत्था वादन प्रस्तुत किया जाएगा।

उल्लेखनीय है उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल पर लोक कलाकारों को मंच प्रदान करते हुए उन्हें सम्बल प्रदान करने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा कल्चर डायरीज नाम से पाक्षिक सांस्कृतिक संध्या की शुरूआत की गई है, इस पाक्षिक सांस्कृतिक शृंखला की पहली दो दिवसीय प्रस्तुतियां नवम्बर के दूसरे पखवाड़े में अल्बर्ट हॉल पर आयोजित हो चुकी है।

पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा के लिए कंट्रोल रूम

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 1 दिसंबर से 3 दिसंबर 2024 तक पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन जयपुर शहर के 130 केन्द्रों पर होगा। छह पारियों में (प्रथम पारी प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे एवं द्वितीय पारी दोपहर 2:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक) आयोजित होने वाली परीक्षा में कुल 2 लाख 60 हजार 163 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये कलक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जिसका संचालन 1 दिसंबर से 3 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा। नियंत्रण कक्ष 29 नवंबर एवं 30 नवंबर 2024 तक प्रात: 10 बजे से सांय 6 बजे तक कार्य करेगा। वहीं, 01 दिसंबर से 03 दिसंबर 2024 को को प्रात: 6 बजे से परीक्षा समाप्ति उपरान्त नियंत्रण कक्ष से संबंधित समस्त कार्य पूर्ण होने तक कार्य करेगा। परीक्षा के लिए कुल छह पारियों में 414 उप समन्वयक एवं 69 उडनदस्तों का तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि जयपुर स्थित परीक्षा केन्द्रों के लिए नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर 0141-2206699 रहेगा।

57 बीघा कृषि भूमि पर बसाई जा रही पांच कॉलोनियां ध्वस्त

■ जे.डी.ए. ने बगरू में 7 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने करीब 57 बीघा कृषि भूमि पर काटी जा रही पांच अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया। इसके अलावा बगरू में भी आम रास्ते की 7 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया।

उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-13 स्थित दौलतपुरा रोड पर सेवापुरा डंपिंग यार्ड के पास करीब 27 बीघा निजी खातेदारी की कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने की तैयारी चल रही थी। काश्तकारों ने कृषि भूमि को समतल करके यहां रातोंरात डामर की 7 सड़कें, बाउंड्रीवाल समेत कई निर्माण कर लिए थे, जिन्हें बुधवार को जे.सी.बी. मशीन की मदद से ध्वस्त किया।

इसी प्रकार खोरा श्यामदास जाने वाले रास्ते पर स्थित ग्राम मोठू का वास में भी 6 बीघा निजी खातेदारी की कृषि भूमि पर 'श्याम वटिका विस्तार' के नाम से अवैध कॉलोनी बसाने की कोशिश की जा रही थी। ऐसी ही अवैध कॉलोनी ग्राम चौमूं में होली दरवाजे के पास 1.5 बीघा जमीन पर काटी गई थी। इसके अलावा बगरू में भी करीब 20 कृषि भूमि पर 'जगन्नाथ सिटी' के नाम से चोरी छिपे कॉलोनी काटकर यहां सीमेंट ब्लॉक्स की सड़क, प्लॉट्स की बाउंड्रीवाल व अन्य निर्माण कर लिए थे। इसके नजदीक ही 2 बीघा कृषि भूमि पर 'जयश्री श्याम' के नाम से कॉलोनी बसाने की तैयारी थी।

काश्तकारों ने कृषि भूमि का भू-रूपांतरण करवाये बिना और जेडीए से इजाजत लिए बगैर ही यह अवैध कॉलोनियां बसाने की कोशिश की थी। इससे राज्य सरकार और जेडीए को करोड़ों रु. के राजस्व की हानि हो रही थी। बुधवार को पांचों अवैध कॉलोनियों पर जेडीए का बुलडोजर गरजा और सभी निर्माण ध्वस्त कर दिए गए।

मांस की पांच अवैध दुकानें सीज

जयपुर । नगर निगम हैरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने मीट की अवैध दुकानों पर कार्रवाई करते हुए पांच दुकानों को सीज कर दिया। कार्रवाई के संबंध में पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त अनीता मित्तल ने बताया कि शाखा को लगातार बिना लाइसेंस और खुले में मांस बेचने की शिकायतें आ रही थी। जिस पर शाखा के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मयंक लाम्बा ने रामगंज, घोड़ा निकास रोड, हांडीपुरा, नाहरी का नाका इलाके में चल रही मीट की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानों पर अनियमितताएं पाई गई। इस पर टीम ने कार्रवाई करते हुए 5 दुकानों को सीज कर दिया और करीब 250 किलो अवैध मीट को जब्त कर नष्ट करा दिया है। वहीं खुले में मांस बेचने पर पांच दुकानों से जुर्माना भी वसूल किया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मयंक लाम्बा ने बताया कि निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा के निर्देश पर निगम क्षेत्र में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। शाखा रात में की अवैध मीट बेचने और बूचड़खानों पर कार्रवाई करेगी। कार्रवाई में सतर्कता शाखा का भी सहयोग रहा।

नगर निगम हैरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने बुधवार को परकोटा क्षेत्र में संचालित मांस की अवैध दुकानों पर कार्रवाई की।

झोटवाड़ा में खुलेंगे पांच नए आंगनबाड़ी केन्द्र

जयपुर। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के सार्थक प्रयासों से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 5 नए आंगनबाड़ी केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। जिससे महिलाओं को रोजगार मिलेगा। कम उम्र के बच्चों, गर्भवती-धात्री महिलाओं को पोषाहार के साथ टीकाकरण व पढ़ाई की सुविधा घर के पास ही केन्द्र पर मिलेगी। ये नए आंगनबाड़ी केन्द्र इन्द्रा कॉलोनी (बिंदायका) वार्ड नं. 49, घनश्याम विहार, वार्ड नं. 51, जनकपुरी, वार्ड नं. 63, बलाइयों का मोहल्ला, जोरपुरा सुंदरियावास, लोछुवो की ढाणी, आला का वास, जोरपुरा सुंदरियावास में खुलेंगे। झोटवाड़ा की जनता ने इस सराहनीय पहल हेतु कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में बच्चों को बेहतर शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आंगनबाड़ी केन्द्र न केवल बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहायक होते हैं।

सिन्धु दर्शन यात्रा के लिए मिलेगी 15 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

■ विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया था मुख्यमंत्री से आग्रह

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के आग्रह पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सिन्धी समाज को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने सिन्धी समाज की सबसे बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली लेह-लद्दाख सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को 15 हजार रुपए प्रति व्यक्ति आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सिन्धु दर्शन यात्रा में चार दिन तक लेह-लद्दाख में धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन होते हैं तथा यह यात्रा 18 जून से शुरू होकर 30 जून को समाप्त होती है।

सिन्धी समाज के तीर्थयात्री हर साल 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा 18 जून से जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है तथा 30 जून को इसका अधिकारिक समापन होता है। देवनानी ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को ज्ञापन देकर आग्रह किया था कि सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को भी अन्य तीर्थ यात्राओं की तरह आर्थिक सहायता दी जाए। इस पर निर्णय करते हुए राज्य सरकार ने तीर्थ यात्रियों के लिए 15 हजार रूपए प्रति यात्री की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

गौरतलब है कि वर्ष 1997 में भारत रत्न एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने सिन्धु दर्शन यात्रा की शुरूआत की थी। प्रतिवर्ष यह यात्रा 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में आयोजित की जाती है। इसमें बड़ी संख्या में सिंधी धर्मावलम्बी भाग लेते हैं। वेद, शास्त्र एवं धार्मिक मान्यताओं में सिन्धु नदी का बड़ा महत्व है। लगभग सभी ग्रन्थों में सिन्धु नदी का उल्लेख मिलता है। इसके साथ ही भारतीय राष्ट्रगान में भी सिन्धु नदी का उल्लेख है। सिन्धी समाज में भी ईष्ट देव श्री झूलेलाल के अवतार का जल से संबंध है। ऐसे में यह यात्रा सिन्धी धर्मावलम्बियों के लिए बड़ी पवित्र मानी जाती है। प्रतिवर्ष देश के लगभग 25 राज्यों से सिन्धी धर्मावलम्बी इस पवित्र यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है एवं लगभग 12 दिन चलती है। यात्रा में लेह-लद्दाख में विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते हैं।

तीन पी.टी.आई. और एक व्याख्याता को एस.ओ.जी. ने गिरफ्तार किया

इन चारों आरोपियों ने डमी कैंडिडेट की मदद से परीक्षा पास की थी

■ आरोपियों द्वारा पेश की गई बी.पी.एड. की डिग्री भी फर्जी निकली। एसओजी ने दस्तावेजों की जांच के बाद इन्हें गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को तीन पीटीआई और एक व्याख्याता को गिरफ्तार किया हैं। इन के खिलाफ एसओजी को हैल्पलाइन पर शिकायत मिली थी कि चारों ने डमी कैंडिडेट की मदद से परीक्षा पास की थी। इनके द्वारा पेश की गई बीपीएड की डिग्री भी फर्जी निकली। इस पर एसओजी ने तीनों के दस्तावेजों की जांच की,जांच में पुष्टि होने पर चारों को बुधवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया हैं।

एस.ओ.जी. सूत्रों ने बताया कि एसओजी जयपुर के व्हाटसएप हेल्पलाईन पर शिकायत मिली थी कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षक सीधी भर्ती 2022 में कुछ लोग गलत चीजों का इस्तेमाल कर परीक्षा में पास हुए और नौकरी ली। जिस पर एसओजी ने स्वरूपा राम निवासी गुढामलानी जिला बाडमेर हाल शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जाखड़ों की ढाणी, भीमलत धोरीमन्ना जिला बाडमेर, भारमल राम निवासी गांव धानता पुलिस थाना सांचोर जिला सांचोर हाल शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुडा, रानीवाडा, जिला सांचोर, लादूराम निवासी दांतीवास तहसील भीनमाल जिला जालौर हाल राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, वनानी भीलों की ढाणी, गुढामालानी, बाड़मेर की जांच की।

जांच में प्रमाणित हो गया कि इन लोगों ने अपनी जगह परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बिठाया। तीनों आरोपियों ने उस दौरान आवेदन पत्रों में अन्य विश्वविद्यालय की बीपीएड डिग्री भर कर अन्य विश्वविद्यालय की बीपीएड डिग्री और अंक तालिका के दस्तावेज सत्यापन के समय पेश कर पीटीआई की नौकरी प्राप्त की। एसओजी ने जब इन डिग्री और डमी अभ्यर्थी के पेपर में बैठने की जांच की तो यह पुष्टि हो गई। जिस पर इन तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर इनकी गिरफ्तारी की गई। आरोपी स्वरूपा राम को जिला पुलिस अधीक्षक जालौर ज्ञानचन्द यादव एवं आरोपी लादूराम एवं भारमल को जिला पुलिस अधीक्षक बाडमेर नरेंद्र मीणा के निर्देशन में टीम ने डिटेन कर एसओजी के सुपुर्द किया। जिस पर एसओजी ने दोनो को कोर्ट में पेश कर 7 दिन का रिमांड लिया हैं।

वहीं राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा वर्ष 2022 के सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा 24 दिसंबर 2022 को आयोजित की थी। उस में सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा पेपर लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी एवं इस विषय की परीक्षा 29 जनवरी 2023 को दोबारा 10.30 एएम से 12.30 पीएम तक आयोजित की गई थी।

29 जनवरी 2023 को सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा आरोपी राजेन्द्र कुमार के स्थान पर कमल विश्नोई निवासी राजीव नगर पुर, जिला सांचौर ने डमी परीक्षार्थी के रूप में दी थी। कमल बिश्नोई वर्तमान में उच्च माध्यमिक विद्यालय अरणाय (जालोर) में व्याख्याता (जीव विज्ञान) के पद पर था। एसओजी ने कमल विश्नोई को गिरफ्तार किया हैं। उसे भी रिमांड पर लिया गया हैं।